अध्यादेश क्रमांक–५१

आचार्य उपाधि

१. आचार्य उपाधि परीक्षा, निम्नांकित दो भागों में सम्पन्न होगी :

[ब] आचार्य उत्तरार्द्ध ।

२. कोई अभ्यर्थी जिसने शास्त्री या तत्समकक्ष परीक्षा इस विश्वविद्यालय, या भारत के किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्था से उत्तीर्ण की हो, तथा विश्वविद्यालय के अध्यापन विभाग या किसी सम्बद्ध महाविद्यालय से एक शैक्षणिक सत्र में निर्धारित विषय लेकर नियमित अध्ययन पूर्ण किया हो, आचार्य पूर्वार्द्ध परीक्षा में सम्मिलित हो सकेगा ।

३. आचार्य पूर्वार्द्ध, उत्तीर्ण अभ्यर्थी जिसने विश्वविद्यालय के अध्यापन विभाग या किसी सम्बद्ध महाविद्यालयों में एक शैक्षणिक सत्र में निर्धारित विषय लेकर नियमित अध्ययन पूर्ण किया हो,आचार्य उत्तरार्द्ध परीक्षा में प्रविष्ट होसकेगा ।

४. कोई अभ्यर्थी जिसने 'आचार्य पूर्वार्द्ध' परीक्षा अन्य विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण की हो, कुलपति की अनुमति प्राप्त कर, आचार्य उत्तरार्द्ध परीक्षा में प्रविष्ट हो सकेगा । यदि उसने आचार्य पूर्वार्द्ध परीक्षा में वही पाठ्यक्रम विषय को लेकर उत्तीर्ण की हो जो इस विश्वविद्यालय के पूर्वार्द्ध परीक्षा के समकक्ष मान्य हो, तथा उसने एक शैक्षणिक सत्र में विश्वविद्यालय के अध्यापन विभाग या सम्बद्ध महाविद्यालय में नियमित छात्र के रूप में अध्ययन किया हो ।

५. नियमित तथा भूतपूर्व छात्रों के अतिरिक्त एक अध्यादेश ... छात्र भी अध्यादेश-६ [परीक्षा सामान्य के प्राविधानों के अन्तर्गत प्रा...

६. परीक्षा के विषय निम्नांकित होंगे—

[१] वेद [२] व्याकरण [३] साहित्य
[४] दर्शन [५] ज्योतिष [६] धर्मशास्त्र
[७] पुराणेतिहास

७. कोई अभ्यर्थी शास्त्री परीक्षा में जिस 'क' वर्गीय विषय लेकर परीक्षा उत्तीर्ण की है उसी विषय के आचार्य परी... में सम्मिलित हो सकता है किन्तु किसी भी मान्य वि... विद्यालय से संस्कृत विषय लेकर बी० ए० परीक्षा उ... अभ्यर्थी तथा [शास्त्री परीक्षा] उत्तीर्ण अभ्यर्थी नि... लिखित विषयों में [आचार्य परीक्षा] में प्रविष्ट हो स... हैं—

[१] साहित्य [२] धर्मशास्त्र [३] पुराणेति...
[४] ज्योतिष [फलित]

८. आचार्य पूर्वार्द्ध तथा उत्तरार्द्ध में ३६ प्रतिशत अंक ... करने वाले अभ्यर्थी ही उत्तीर्ण घोषित होंगे। आ... पूर्वार्द्ध में श्रेणी विभाजन नहीं होगा: आचार्य पू... तथा उत्तरार्द्ध परीक्षाओं के प्राप्तांकों के आधार पर ... प्रदान की जायेगी।

९. आचार्य [उत्तरार्द्ध परीक्षा] में जिन्हे प्राप्तांकों का ६... प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त होते हैं उन्हें प्रथम ... जिन्हे ४८% प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त होता है उन्हें ... श्रेणी, तथा अन्य उत्तीर्ण अभ्यर्थी जिन्हें ४८ % ... प्राप्तांक प्राप्त होते हैं तृतीय श्रेणी प्रदान की जाये...

५. नियमित तथा भूतपूर्व छात्रों के अतिरिक्त एक अध्यादेश ... छात्र भी अध्यादेश-६ [परीक्षा सामान्य के प्राविधानों के अन्तर्गत प्रविष्ट हो सकेंगे।

६. परीक्षा के विषय निम्नांकित होंगे—

[१] वेद [२] व्याकरण [३] साहित्य
[४] दर्शन [५] ज्योतिष [६] धर्मशास्त्र
[७] पुराणेतिहास

७. कोई अभ्यर्थी शास्त्री परीक्षा में जिस 'क' वर्गीय विषय लेकर परीक्षा उत्तीर्ण की है उसी विषय के आचार्य परीक्षा में सम्मिलित हो सकता है किन्तु किसी भी मान्य विश्वविद्यालय से संस्कृत विषय लेकर बी० ए० परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थी तथा [शास्त्री परीक्षा] उत्तीर्ण अभ्यर्थी निम्नलिखित विषयों में [आचार्य परीक्षा] में प्रविष्ट हो सकते हैं—

[१] साहित्य [२] धर्मशास्त्र [३] पुराणेतिहास
[४] ज्योतिष [फलित]

८. आचार्य पूर्वार्द्ध तथा उत्तरार्द्ध में ३६ प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी ही उत्तीर्ण घोषित होंगे। आचार्य पूर्वार्द्ध में श्रेणी विभाजन नहीं होगा: आचार्य पूर्वार्द्ध तथा उत्तरार्द्ध परीक्षाओं के प्राप्तांकों के आधार पर श्रेणी प्रदान की जायेगी।

९. आचार्य [उत्तरार्द्ध परीक्षा] में जिन्हे प्राप्तांकों का ६० प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त होते हैं उन्हें प्रथम, जिन्हे ४८% प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त होता हैं उन्हें द्वितीय श्रेणी, तथा अन्य उत्तीर्ण अभ्यर्थी जिन्हें ४८ % से कम प्राप्तांक प्राप्त होते हैं तृतीय श्रेणी प्रदान की जाये।

प्राच्य संस्कृत संकायः

परीक्षा योजना

आचार्य पूर्वार्द्ध परीक्षा १९९९

क्रमांक	विषय	प्रश्न पत्र	पूर्णाङ्क	उत्तीर्णाङ्क
१	२	३	४	५
१.	ऋग्वेद	प्रथम	१००	३६
		द्वितीय	१००	३६
		तृतीय	१००	३६
		चतुर्थ	१००	३६
२.	शुक्लयजुर्वेद	प्रथम	१००	३६
		द्वितीय	१००	३६
		तृतीय	१००	३६
		चतुर्थ	१००	३६
३.	कृष्णयजुर्वेद	प्रथम	१००	३६
		द्वितीय	१००	३६
		तृतीय	१००	३६
		चतुर्थ	१००	३६
४.	सामवेद	प्रथम	१००	३६
		द्वितीय	१००	३६
		तृतीय	१००	३६
		चतुर्थ	१००	३६

[illegible] संस्कृत संकायः

परीक्षा योजना

आचार्य पूर्वार्द्ध परीक्षा १९९९

क्रमांक	विषय	प्रश्न पत्र	पूर्णाङ्क	उत्तीर्णाङ्क
१	२	३	४	५
१.	ऋग्वेद	प्रथम	१००	३६
		द्वितीय	१००	३६
		तृतीय	१००	३६
		चतुर्थ	१००	३६
२.	शुक्लयजुर्वेद	प्रथम	१००	३६
		द्वितीय	१००	३६
		तृतीय	१००	३६
		चतुर्थ	१००	३६
३.	कृष्णयजुर्वेद	प्रथम	१००	३६
		द्वितीय	१००	३६
		तृतीय	१००	३६
		चतुर्थ	१००	३६
४.	सामवेद	प्रथम	१००	३६
		द्वितीय	१००	३६
		तृतीय	१००	३६
		चतुर्थ	१००	३६

१	२	३	४	५
		प्रथम	१००	३६
		द्वितीय	१००	३६
		तृतीय	१००	३६
		चतुर्थ	१००	३६
६.	नव्य व्याकरण	प्रथम	१००	३६
		द्वितीय	१००	३६
		तृतीय	१००	३६
		चतुर्थ	१००	३६
७.	प्राचीन व्याकरण	प्रथम	१००	३६
		द्वितीय	१००	३६
		तृतीय	१००	३६
		चतुर्थ	१००	३६
८.	साहित्य	प्रथम	१००	३६
		द्वितीय	१००	३६
		तृतीय	१००	३६
		चतुर्थ	१००	३६
९.	जैनदर्शन	प्रथम	१००	३६
		द्वितीय	१००	३६
		तृतीय	१००	३६
		चतुर्थ	१००	३६
१०.	सिद्धान्त ज्योतिष	प्रथम	१००	३६
		द्वितीय	१००	३६
		तृतीय	१००	३६
		चतुर्थ	६०	२२
	[	प्रायोगिक	४०	१४

		द्वितीय	१००	३६
		तृतीय	१००	३६
		चतुर्थ	६०	२२
		प्रायोगिक	४०	१४
१२.	धर्मशास्त्र एवं पौरोहित्य	प्रथम	१००	३६
		द्वितीय	१००	३६
		तृतीय	१००	३६
		चतुर्थ	१००	३६
१३.	पुराणेतिहास	प्रथम	१००	३६
		द्वितीय	१००	३६
		तृतीय	१००	३६
		चतुर्थ	१००	३६

आचार्य उत्तरार्द्ध परीक्षा [illegible]

क्रमांक	विषय	[illegible]	[illegible]	[illegible]
१	२	३	४	५
१.	[illegible]	प्रथम	१००	३६
		द्वितीय	१००	३६
		तृतीय	१००	३६
		चतुर्थ	१००	३६
२.	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन शाखीय:)	प्रथम	१००	३५
		द्वितीय	१००	३६
		तृतीय	१००	३६
		चतुर्थ	१००	३६
३.	कृष्णयजुर्वेद	प्रथम	१००	३६
		द्वितीय	१००	३६
		तृतीय	१००	३६
		चतुर्थ	१००	३५
४.	सामवेद	प्रथम	१००	३६
		द्वितीय	१००	३६
		तृतीय	१००	३६
		चतुर्थ	१००	३६
५.	अथर्ववेद (शौनक शाखीय:)	प्रथम	१००	३६
		द्वितीय	१००	३६
		तृतीय	१००	३६
		चतुर्थ	१००	३६
६.	नव्य व्याकरण	प्रथम	१००	३६
		द्वितीय	१००	३६
		तृतीय	१००	३६
		चतुर्थ	१००	३६

१	२	३	४	५
७-	प्रचीन व्याकरण	प्रथम	१००	३६
		द्वितीय	१००	३६
		तृतीय	१००	३६
		चतुर्थ	१००	३६
८-	साहित्य	प्रथम	१००	३६
		द्वितीय	१००	३६
		तृतीय	१००	३६
		चतुर्थ	१००	३६
९.	जैनदर्शन	प्रथम	१००	३६
		द्वितीय	१००	३६
		तृतीय	१००	३६
		चतुर्थ	१००	३६
१०.	सिद्धान्त ज्योतिष	प्रथम	१००	३६
		द्वितीय	१००	३६
		तृतीय	१००	३६
		चतुर्थ	६०	२२
		प्रायोगिक	४०	१४
११.	फलित ज्योतिष्	प्रथम	१००	३६
		द्वितीय	१००	३६
		तृतीय	१००	३६
		चतुर्थ	६०	२२
		प्रायोगिक	४०	१४
१२.	धर्मशास्त्र एवं पौरोहित्य	प्रथम	१००	३६
		द्वितीय	१००	३६
		तृतीय	१००	३६
		चतुर्थ	१००	३६

आचार्य पूर्वार्द्धम् परीक्षा १९९५

(द्विवर्षीयपाठ्यक्रमः)

ऋग्वेदः

पंचम प्रश्नपत्रम् — पूर्णांकः १००

[क] ऋग्वेद संहितायाः ४६-५० अध्याययोः सायणभाष्यम् — ६० अंकाः

[ख] ऋग्वेद प्रातिशाख्यम् उव्वटभाष्यसहितम् १५ १८ पटल पर्यन्तम् — ४० अंकाः

द्वितीयं प्रश्नपत्रम् — पूर्णांकः १००

ऋग्वेद संहितायाः ६०-६२ अध्यायानां सायणभाष्यम्

तृतीय प्रश्न पत्र — पूर्णांक १०० अंक

(क) आश्वलायन श्रौतसूत्रम् १-३ अध्यायाः नारायण वृत्तिसहिताः ६० अंक

(ख) दशपूर्णमासपद्धति होत्र संहिता वौधायनीया — ४० अंक

चतुर्थ प्रश्नपत्रम् — पूर्णांकः १००

[क] ऋग्वेद भाष्यभूमिका सायणीया — ६० अंकाः

[ख] श्रौतयज्ञविमर्शः — ४० अंकाः

सहायक ग्रन्थः—कात्यायन श्रौतसूत्रभूमिका [डॉ० म० विद्याधर शर्मा विरचिता]

२=शुक्लयजुर्वेदः (माध्यन्दिनशाखीयः)

पंचम प्रश्नपत्रम् — पूर्णांकः १००

[क] शुक्लयजुःसंहितायाः महीधरभाष्यम् १३-१८ अध्यायाः — ६० अंकाः

ख–सतपथ ब्राह्मणम् सायणभाष्यसहितम् (प्रथमकाण्डस्य १-८ अध्यायाः) — ४० अंक

द्वितीय प्रश्नपत्रम् — १०० पूर्णाङ्काः

क– शुक्लयजुः संहितायाः महीधरभाष्यम् १६-२२ अध्यायाः — ६० अंकाः

ख– भास्कर निरुक्त समुच्चयः — ४० अंकाः

तृतीय प्रश्नपत्रम् — १०० अंकाः

क– कात्यायन श्रौतसूत्रम् … भाष्यम् १-४ अध्यायाः — ६० अंक

ख– दर्शपूर्णमासपद्धतिः कात्यायनीया — ४० अंक

चतुर्थ प्रश्नपत्रम — १०० पूर्णाङ्काः

क– ऋग्वेदभाष्यभूमिका सायणीया — ६० अंकाः

ख– श्रौतयज्ञविमर्शः — ४० अंकाः

सहायक ग्रन्थाः –

कात्यायन श्रौतसूत्रभूमिका म० म० विद्याधर शर्मा विरचिता

यज्ञ तत्व प्रकाशः चेना स्वामी शास्त्री

३. कृष्णयजुर्वेदः (तैत्तरीयशाखीयः)

प्रथम प्रश्नपत्रम् — १०० पूर्णाङ्काः

क- तैत्तरीय संहितायाः तृतीय काण्डस्य १-५ प्रपाठकानां भाष्यम् — ६० अंक

ख– तैत्तरीय प्रातिशाख्यम् ११ अध्यायसमाप्ति समाप्तिपर्यन्तम् — ४० अंकाः

द्वितीय प्रश्नपत्रम् — १०० पूर्णाङ्काः

क– तैत्तरीयसंहितायाः चतुर्थकाण्डस्य १-५ प्रपाठकानां सायणभाष्यम् — ६० अंकाः

चार्याणाम् ४० अंकाः

तृतीय प्रश्नपत्रम् १०० पूर्णाङ्कः

क-श्रौतसूत्रम् ? अध्यायान्तम् सत्याषाढीयं आपस्तम्बीयं वा ६० अंकाः

ख-दर्शपूर्णमासपद्धतिः सत्याषाढसंहितासत्याषाढीया आपस्तम्बीया वा ४० अंकाः

चतुर्थ प्रश्नपत्रम् १०० पूर्णांक

क-ऋग्वेदभाष्यभूमिका सायणीया ६० अंक

ख-श्रौतयज्ञविमर्शः ४० अंकाः

सहायक ग्रन्थः—कात्यायन श्रौतसूत्रभूमिका (म० प्र० विद्याधर शर्मा विरचिता ४० अंकाः

४. सामवेद

प्रथम प्रश्नपत्रम् १०० पूर्णाङ्कः

सामवेदसंहितायाः सायणभाष्यसहितायाः उत्तरार्चिकस्य अध्यायाः । ५१०-२१

द्वितीय प्रश्नपत्रम् १०० पूर्णांकः

क- ताण्ड्यब्राम्हणम् सायणभाष्य सहितम् १-३ अध्यायाः। ६० अंक

ख-षड्विंश ब्राह्मणम् सायणभाष्यसहितम् ४० अंकाः

तृतीय प्रश्नपत्रम् १०० अंकाः

क- लाट्यायनीयं श्रौतसूत्रम् सोमप्रकरणान्तम् ६० अंकाः

ख-दर्शपूर्णमास पद्धतिः कात्यायनीया ४० अंकाः

चतुर्थ प्रश्नपत्रम् १०० पूर्णांक

क-ऋग्वेदभाष्यभूमिका सायणीया ६० अंका

ख श्रौतयज्ञ विमर्शः ४० अंकाः

सहायकग्रन्थः—कात्यायनश्रौतसूत्रभूमिका (म० प्र० विद्याधर शर्मा विरचिता)

आचार्य [illegible] परीक्षा

१. ऋग्वेद

प्रथम प्रश्नपत्रम् पूर्णाङ्क: ५०

[क] ऋग्वेद संहितायाः ५७, ६३ अध्याययोः सायणभाष्यम् ~~६० अंका:~~

[ख] आश्वलायन श्रौतसूत्रम्-नारायणवृत्तिसहितम् ४-६ अध्यायाः ४० अंका:

द्वितीय प्रश्नपत्रम् पूर्णाङ्क १००

ऋग्वेद पञ्चकम् सम्पूर्णम् सायणभाष्यसहितम् ।

तृतीय प्रश्न पत्रम् पूर्णाङ्क १००

[क] जैमिनीयन्यायमाला १-२ अध्यायाः ६० अंका:

[ख] ईशकठोपनिषदौ ४० अंका:

चतुर्थ प्रश्नपत्रम् पूर्णाङ्क: १००

[क] स्वशास्त्रीयो निबन्धः ५० अंका:

[ख] स्वशास्त्रीय व्युत्पत्तिः ५० अंका:

सहायक ग्रन्थाः

१. वैदिक साहित्य परिचयः
२. वैदिक वाङ्मय का इतिहास – भगवद्दत्तः
३. वैदिक साहित्य और संस्कृति—आचार्य बलदेव उपाध्यायः

२. शुक्लयजुर्वेदः (माध्यन्दिन शाखीयः)

प्रथम प्रश्नपत्रम् १०० पूर्णाक:

[क] शुक्लयजुः संहितायाः महीधर भाष्यम् [२३-२८ अध्यायाः ६० अंका:

५- अथर्ववेदः (शौनकशाखीयः)

प्रथमं प्रश्नपत्रम् — पूर्णाङ्क १००

क- अथर्ववेदसंहितायाः ८-११ काण्डानां यथोपलब्धं सायण-भाष्यम् — ६० अंकाः
ख-अथर्वप्रातिशाख्यम् — ४० अंकाः

द्वितीयं प्रश्नपत्रम् — पूर्णाङ्क १००

क-अथर्ववेद संहितायाः १२-१८ काण्डनां यथोपलब्धं सायण-भाष्यम् — ६० अंकाः
ख-अथर्ववेदीयस्नान सन्ध्या-तर्पण कौशिकहोमपरिशिष्टानि — ४० अंकाः

तृतीयं प्रश्नपत्रम् — पूर्णाङ्क १००

क-वैतानसूत्रम् पूर्वार्धम् — ६० अंकाः
ख-दर्शपूर्णमासपद्धतिः कात्यायनीया — ४० अंकाः

चतुर्थं प्रश्नपत्रम् — पूर्णाङ्क १००

क-ऋग्वेदभाष्यभूमिका सम्पूर्णा — ६० अंकाः
ख-श्रौतयज्ञविमर्शः — ४० अंकाः

सहायक ग्रन्थः

कात्यायन श्रौतसूत्रभूमिका [म० प्र० विद्याधर शर्मा विरचिता]

—:०:—

[ख] यजुर्वेदभाष्यभूमिका सायणमहीधरोव्वटाचार्याणाम्
०अंकाः

[illegible] प्रश्नपत्रम् १०० पूर्णांकः

[क] कात्यायन श्रौतसूत्रम् सभाष्यम् ६ ११ अध्यायाः
० अंकाः

[ख] बृहदारण्यकम् अंकाः

तृतीय प्रश्नपत्रम् १०० पूर्णांकः

[क] जैमिनीयन्यायमाला १-३ अध्यायाः ० अंकाः

[ख] ईशकठोपनिषदौ ० अंकाः

चतुर्थ प्रश्नपत्रम् पूर्णांकः १००

[क] [illegible]शास्त्रीयनिबन्धः ५० अंकाः

[ख] स्वशाखीयनिबन्धः ५० अंकाः

सहायक ग्रन्थाः—

१. वेदस्वरूपविमर्शः—स्वामिकरपात्रमहोदयकृत

२. वैदिकवाङ्मय का इतिहास—भगवद्दत्तः

३. वैदिकसाहित्य और संस्कृति—आचार्य बलदेव उपाध्याय

३. कृष्णयजुर्वेदः [तैत्तरीयशाखीयः]

प्रथम प्रश्नपत्रम् पूर्णांकः १००

[क] तैत्तरीयसंहितायाः [illegible] प्रथमप्रपाठकस्य सायण-भाष्यम् ६० अंकाः

[ख] श्रौतसूत्रम् सत्याषाढीयम् आपस्तम्बीयं वा [१-६ अध्यायाः] ४० अंकाः

द्वितीय प्रश्नपत्रम् पूर्णांकः १०

तैत्तरीयारण्यकम् सायणभाष्यसहितम्

तृतीय प्रश्नपत्रम् पूर्णांकः १००

[क] जैमिनीयन्यायमाला [१-३ अध्यायाः] ६० अंकाः

[ख] ईशकठोपनिषदौ ४० अंकाः

चतुर्थ प्रश्नपत्रम् पूर्णांकः १००

[क] स्वशास्त्रीयो निबन्धः ५० अंकाः

[ख] स्वशास्त्रीय व्युत्पत्तिः ५० अंकाः

सहायक ग्रन्थाः—

१. वैदिकसाहित्यपरिचयः

२. वैदिक वाङ्मय का इतिहास—भगवद्दत्तः

३. वैदिकसाहित्य और संस्कृति [आचार्य बलदेव उपाध्याय]

४. सामवेदः

प्रथम प्रश्नपत्रम् १०० पूर्णांकः

क. आर्षेय ब्राह्मणम् सायणभाष्य सहितम् ५० अंकाः

ख. संहितोपनिषद् ब्राह्मणम् सायणभाष्य सहितम् ३० अंकाः

ग. देवताध्याय ब्राह्मणम् सायणभाष्यसहितम् २० अंकाः

द्वितीय प्रश्नपत्रम् १०० पूर्णांकः

ताण्ड्यब्राह्मणस्य सायणभाष्यम् [४-१२ अध्यायाः]

तृतीय प्रश्नपत्रम् १०० पूर्णांकः

क. जैमिनीयन्यायमाला १-३ अध्यायः ६० अंकाः

ख. ईशकठोपनिषदौ ४० अंकाः

चतुर्थ प्रश्नपत्रम् १०० पूर्णांकः

क. स्वशास्त्रीयो निबन्धः ५० अंकाः

ख. स्वशास्त्रीय व्युत्पत्तिः ५० अंकाः

सहायकग्रन्थाः —

१. वैदिक साहित्य परिचय
२. वेदस्वरूप विमर्शः — स्वामिकरपात्र महोदयकृतः
३. वैदिक वाङ्मय का इतिहास — भगवद्दत्तः
४. वैदिक साहित्य — रमागोविन्द त्रिवेदी
५. वैदिक साहित्य और संस्कृति — आचार्य बलदेव उपाध्याय

५. अथर्ववेदः [शौनकशाखीयः]

प्रथम प्रश्नपत्रम् — १०० पूर्णांकः

(क) अथर्ववेदसंहितायाः (१९-२० काण्डयोः) यथोपलब्धं सायण भाष्यम् — ६० अंकाः
(ख) वैतानसूत्रम् (उत्तरार्द्धम्) — ४० अंकाः

द्वितीय प्रश्नपत्रम् — १०० पूर्णांकः

(क) अथर्ववेद भाष्यभूमिका सायणीया — ६० अंकाः
(ख) कात्यायन श्रौतसूत्रम् (प्रथमाध्यायः) — ४० अंकाः

तृतीय प्रश्नपत्रम् — १०० पूर्णांकः

(क) जैमिनीयन्यायमाला (१-३ अध्यायाः) — ६० अंकाः
(ख) ईशकठोपनिषदौ — ४० अंकाः

चतुर्थ प्रश्नपत्रम् — १०० पूर्णांकः

(क) स्वशास्त्रीयो निबन्धः — ५० अंकाः
(ख) स्वशास्त्रीय व्युत्पत्तिः — ५० अंकाः

सहायक ग्रन्थाः –

१. वैदिकसाहित्य का इतिहास
२. वैदिकवाङ्मय का इतिहास – भगवद्दत्तः
३. वैदिक साहित्य – श्री रमागोविन्द द्विवेदी
४. वैदिक साहित्य और संस्कृति – आचार्य बलदेव उपा
५. अथर्ववेद का संस्कृति अध्ययन – डा० राजछता मिश्र

—:o:—

आचार्य (पूर्वाद्धम्)परीक्षा १९

१. नव्यव्याकरणम्

प्रथम प्रश्नपत्रम् पूर्णांकः

लघुशब्देन्दुशेखर – अजन्तपुंलिङ्ग हलन्त नपुंसकलिङ्ग यः

द्वितीय प्रश्नपत्रम् पूर्णांकः

लघुशब्देन्दुशेखर – अव्यय प्रकरणतः अव्यय प्रकरणतः
अव्ययी भावान्ताः

तृतीय प्रश्नपत्रम् पूर्णांकः

वैयाकरण सिद्धान्त लघुमंजूषा-
(शक्तिलक्षणाकाङ्क्षा-योग्यता शक्ति-तात्पर्य प्रकरणानि

चतुर्थ प्रश्नपत्रम् पूर्णाङ्कः १००

व्याकरण महाभाष्यम् ४ ५, ६ आह्निकान्तम्

२. प्राचीन व्याकरणम्

प्रथम प्रश्नपत्रम् पूर्णांका १००

क- व्याकरण महाभाष्यम् (पंचमः आह्निकः) ८० अंकाः

ख- काशिका नियतभागस्या (कारिकांश रहिता) २० अंकाः

द्वितीय प्रश्नपत्रम् पूर्णाङ्कः १००

क- व्याकरण महाभाष्यम् -षष्ठोऽऽह्निकस्य १-४ पादौ ८० अंकाः

ख- काशिका नियतभागस्था (कारिकांशरहिता) २० अंकाः

तृतीय प्रश्नपत्रम् १००

क- व्याकरण-महाभाष्ये षष्ठाऽऽह्निकस्य ५-८ पादौ ८० अंकाः

ख- काशिका नियत भागस्था (कारिकांशरहिता) २० अंकाः

चतुर्थ प्रश्नपत्रम् पूर्णांका १००

परम लघुमन्जूषा

आचार्य उत्तरार्द्ध (द्वितीय) परीक्षा १९९५

१-नव्य व्याकरणम्

प्रथम प्रश्नपत्रम् पूर्णांक १००

महाभाष्यम् ७, ८, ९ आह्निकम्

द्वितीय प्रश्नपत्र पूर्णाङ्कः १००

वाक्यपदीयम् ब्रह्मकाण्डम्

तृतीयं प्रश्न पत्रम्   पूर्णाङ्क १००

व्युत्पत्तिवादः --आदितः द्वितीया... विचारपर्यन्तम् ।

चतुर्थं प्रश्नपत्रम्   पूर्णांक १००

स्वशास्त्रीयेतिहासो निबन्धश्च ।

२--प्राचीन व्याकरणम्

प्रथमं प्रश्नपत्रम्   पूर्णांक १००

१. व्याकरण महाभाष्यम्-सप्तम आह्निकः   ८० अंक
२. काशिकानियत भागकारिकांशरहिता ।   २० अंक

द्वितीयं प्रश्न पत्र   पूर्णांक १००

१. व्याकरण महाभाष्यम् अष्टम आह्निकः   ८० अंक
२. काशिकानियतभाग-कारिकांशरहिता ।   २० अंक

तृतीयं प्रश्नपत्रम्   पूर्णांकः १००

१. वाक्यपदीयम् --ब्रह्मकाण्डम् ।   ६० अंक
२. न्याय सिद्धान्तमुक्तावली (शब्दखण्डम्)   ४० अंक

चतुर्थं प्रश्न पत्र   पूर्णांक १००

स्वशास्त्रीयेतिहासो निबन्धश्च

आचार्य पूर्वार्द्ध (साहित्य) परीक्षा १६६५

प्रथम प्रश्नपत्रम् पूर्णांकः १००
ध्वन्यालोकस्य प्रथम द्वितीयौ द्योतौ

द्वितीय प्रश्नपत्रम् पूर्णांकः १००
ध्वन्यालोकस्य ३, ४ उद्योतौ

तृतीय प्रश्नपत्रम् पूर्णांकः १००
क. वक्रोक्ति जीवितस्य प्रथमोन्मेषः ५० अंक
ख. औचित्यविचार चर्चा ५० अंक

चतुर्थ प्रश्न पत्रम् पूर्णांकः १००
क. कुवलयानन्दः ६० अंक
ख. काव्यालंकारः (भामहकृतः) ४० अंक

आचार्य उत्तरार्ध (साहित्य) परीक्षा १६६५

प्रथम प्रश्नपत्रम् पूर्णांकः १००
रसगंगाधरस्य (प्रथमाननम्)

तीय प्रश्नपत्रम् पूर्णांकः १००
रसगंगाधरस्य (द्वितीयानने शब्दालंकारान्तोभागः)

तीय प्रश्नपत्रम् पूर्णांकः १००
क. नल चम्पूः (१.५ उच्छ्वासान्ता) ६० अंक
अथवा
भारत चम्पूः (१–५ उच्छ्वासान्ता)
ख. संस्कृत गद्य-पद्य रचना ४० अंक

पूर्णांकः १००

चतुर्थ प्रश्नपत्रम्

अलंकारशास्त्रीयो निबन्धः

सहायक ग्रन्थः—

(१) अलंकारों का क्रमिक विकास= लेखक पुरुषोत्तम शर्मा चतुर्वेदी

(२) अलंकार मीमांसा= लेखक डा० रामचन्द्र द्विवेदी
प्रकाशक=मोतीलाल बनारसीदास
वाराणसी (उ० प्र०)

आचार्य पूर्वार्द्ध (जैन दर्शन) परीक्षा १९९६

प्रथम पत्रः	प्रवचनसार (ज्ञेयतत्वाधिकार)	५० अंक
	सन्मतितर्क (डा० देवेन्द्र कुमार)	५० अंक
द्वितीय पत्रः	प्रमेयकमलमार्तण्ड (द्वितीय परिच्छेद)	१०० अंक
तृतीय पत्रः	पंचास्तिकाय (कुन्दकुन्दाचार्य)	१०० अंक
चतुर्थ पत्रः	न्याय कुमुदचन्द्र (प्रथम परिच्छेद)	१०० अंक

आचार्य उत्तरार्द्ध (जैन दर्शन) परीक्षा १९९६

प्रथम पत्रः	षड्दर्शन समुच्चय	१०० अंक अथवा
	सर्वदर्शन संग्रह प्रथम ६ दर्शन	१०० अंक
द्वितीय पत्रः	(क) अष्टसहस्री	
	(८ वीं कारिका से ~~…~~ कारिका वर्जित)	६० अंक
	(ख) आप्तमीमांसा (मूल व्याख्या सहित)	४० अंक
तृतीय पत्रः	श्लोक वार्तिक (प्रथमाध्यायस्य प्रथमाह्निकम्)	अथवा
	गोम्मटसार जीवकाण्ड (आदितः ५०० गाथा पर्यन्तसंख्या ~~गाथा वर्जित~~)	
चतुर्थ पत्रः	स्वशास्त्रीयनिबन्धेतिहासः	१०० अंक

तृतीय प्रश्नपत्रम् पूर्णांकः १००

श्लोकवार्तिकं [प्रथमाध्यायस्य प्रथमाह्निकम्]

अथवा

गोम्मटसार जीवकाण्ड आदितः ५०० गाथा पर्यन्तम् [संख्या गाथा वर्जिताः]

चतुर्थ प्रश्नपत्रम् पूर्णांकः १००

स्वशास्त्रीय निबन्धेतिहासः

आचार्य पूर्वार्द्ध (सिद्धान्त ज्योतिष) परीक्षा १९९५

प्रथम प्रश्नपत्रम् पूर्णांकः १००

सिद्धान्तशिरोमणिः गोलाध्यायः ग्रहगणितस्ताधिकारान्ताः

द्वितीय प्रश्नपत्रम् पूर्णांकः १००

सिद्धान्तशिरोमणिः पूर्ण कर्मवासनाद्यारम्य अवशिष्टोभागः

तृतीय प्रश्नपत्रम् पूर्णाङ्कः १००

सिद्धान्ततत्त्वविवेकस्य आदितो ज्योत्पत्तिसाधनान्तो भागः

चतुर्थं प्रश्नपत्रम् पूर्णाङ्कः १००

[१] सिद्धान्ततत्त्वविवेकस्य ग्रहणमार्गीकरणादारभ्य त्रिप्रश्नाधिकारान्तो भागः ६० अंक

[२] प्रायोगिक अंक ४०

सहायक ग्रन्थाः = सिद्धान्ततत्त्वविवेकः विमलाटीका सहितम्

आचार्य उत्तरार्द्ध (सिद्धान्त ज्योतिष) परीक्षा १९९१

प्रथम प्रश्न पत्रम् पूर्णाङ्कः १००

ग्रहलाघवस्य पंचतारा स्पष्टीकरणान्तो भागः (सोपपत्तिकः)

द्वितीय प्रश्नपत्रम् पूर्णाङ्कः १००

ग्रहलाघवस्य त्रिप्रश्नाधिकारादारभ्य सूर्यग्रहणाधिकारान्तो भागः

तृतीय प्रश्नपत्रम् १०० पूर्णाङ्कः

(१) सर्वानन्दकरणस्य पूर्वार्द्धम् ६० अंक

(२) धराभ्रमः ४० अंक

चतुर्थ प्रश्नपत्रम् पूर्णाङ्कः १००

(१) सर्वानन्दकरणस्य उत्तरार्द्धम् ४० अंक

(२) गणकतरंगिणी २० अंक

(३) प्रायोगिक ४० अंक

सहायक ग्रन्थाः = ग्रहलाघवम्, [शंकुसाधनम्, चरखण्डम्]

आचार्य (पूर्वार्द्धम्) परीक्षा १९९९

धर्मशास्त्र एवं पौरोहित्य

प्रथमं प्रश्नपत्रम् — पूर्णांकाः १००

अ- व्यवहार मयूखः — ६० अंक

ब- कौटिल्यार्थ शास्त्रे धर्मस्थीयं तृतीयमधिकरणम् — ४० अंक

द्वितीय प्रश्नपत्रम् — पूर्णांकाः १००

प्रायश्चित्तमयूखः

तृतीय प्रश्नपत्रम् — पूर्णांकाः १००

मीमांसान्यायप्रकाशः

चतुर्थ प्रश्नपत्रम् — पूर्णांकाः १००

दायभागः वीरमित्रोदयस्य

आचार्य उत्तरार्द्धम् परीक्षा १९९९

प्रथमं प्रश्नपत्रम् — पूर्णांकाः १००

पुरुषार्थ चिन्तामणिः

द्वितीय प्रश्नपत्रम् — पूर्णांकाः १००

कालमाधवः

तृतीय प्रश्नपत्रम् — पूर्णांकाः १००

(क) दत्तक मीमांसा--नन्दपण्डित कृता: मधुसूदनीवृत्ति सहिता — ६० अंक

(ख) विष्णुस्मृतेरशौचप्रकरणम् — ४० अंक

श्राद्धप्रकाश: वीरमित्रोदयस्थ

अथवा

(क) स्वशास्त्रीय निबन्ध: ५० ३

(ख) स्वशास्त्रीय व्युत्पत्ति: ५० ३

अथवा

लघुशोध प्रबन्ध:

सहायक ग्रन्थ:—

१. धर्मद्रुम - ले० राजेन्द्र ~~प्रसाद पाण्डेय~~

२. धर्मशास्त्रीय व्यवस्थापत्र संग्रह:

३. धर्मशास्त्र का इतिहास—ले० वी. पी. काणे
प्रकाशक-सं० स० विश्वविद्यालय, वाराणसी [उ. प्र.

आचार्य पूर्वार्द्धम् (फलित ज्योतिष) परीक्षा १९९९

प्रथमं प्रश्नपत्रम् पूर्णांकः १००

पंचस्वरा नृपति जयचर्या (?) वैशिष्ट्य संहिता ।

द्वितीय प्रश्नपत्रम् पूर्णांकः १००

बृहद्वास्तुमाला

तृतीयं प्रश्नपत्रम् पूर्णांकः १००

(१) बृहत्संहितायाः पूर्वार्द्धे १-१२, २१ ४३-५८ अध्यायाः

चतुर्थ प्रश्न पत्रम् पूर्णांकः १००

(१) बृहत्संहितायाः उत्तरार्द्धे -५२-५५, ५६-६७, ६९
७६-८२, ९५-१०३ अध्यायाः । ६० अंकाः

(२) प्रायोगिक ४० अंकाः

सहायक ग्रन्थः

~~बृहद्वास्तुमाला~~ [वास्तुप्रकरणम्]

~~आचार्य उत्तरार्द्धम् (फलित ज्योतिष) परीक्षा १९९९~~

प्रथमं प्रश्न पत्रम् पूर्णांकः १००

जातक पारिजातः [आदितः जातकभंगाध्यायः]

द्वितीय प्रश्नपत्रम् पूर्णांकः १००

जातक पारिजातः (राजयोगाध्यायात् समाप्ति पर्यन्तम्)

तृतीय प्रश्नपत्रम्	१०० पूर्णांकाः
[१] नरपति जय-चर्या	७० अंकाः
[२] गणक तरंगिणी	३० अंकाः
चतुर्थ प्रश्नपत्रम्	१०० पूर्णांकाः
[१] सारावली आदितः राजयोगाध्यायपर्यन्ता	४० अंकाः
[२] अर्वाचीन ज्योतिर्विज्ञानम्	२० अंकाः
[३] प्रायोगिक	४० अंकाः

सहायक ग्रन्थः

अर्वाचीनं ज्योतिर्विज्ञानम् ।

आचार्य पूर्वार्द्धम्

पुराणेतिहासः

प्रथम प्रश्नपत्रम् — पूर्णांक: १००

अग्निपुराणोक्तम् काव्यालंकार शास्त्रम् ।

प्रकाशक—सम्पूर्णानन्द संस्कृत वि० वि० वाराणसी ।

द्वितीय प्रश्नपत्र — पूर्णांक १००

श्री वाल्मीकिरामायणस्य अयोध्याकाण्डस्य ५७ सर्गतः ७७ सर्गपर्यन्तम्

तृतीय प्रश्नप्रश्नम् — पूर्णांक १००

श्रीमद्भागवत दशमस्कन्धस्य पूर्वार्द्धम्

चतुर्थ प्रश्न पत्रम् — पूर्णांक १००

कपिञ्जपुराणस्य काशी रहस्यम् ।

आचार्य उत्तरार्द्धम्

प्रथम प्रश्नपत्रम् — पूर्णांक १००

१. भक्तिरत्नावली (डा० कृष्णमणि त्रिपाठी) ५० अंक

२. भक्तिचन्द्रिका (डा० विश्वनाथ पाण्डेय) ५० अंक

द्वितीय प्रश्नपत्रम् १०० ३

मत्स्यपुराणम् १-२० अध्यायान्तम्

तृतीय प्रश्नपत्रम् १०० अं

श्रीमद्भागवतस्य एकादशस्कन्धः

चतुर्थ प्रश्नपत्रम् १००

(१) पु[illegible]मस्य परिचयः

(२) [illegible]स्वराजवंशानुकीर्तनम्

(३) रामायणमहाभारतयोरनुशीलनम्